आप माताओं को मैं हृदय से नमस्कार करता हूँ

बाबा मुक्तानन्द द्वारा लिखित चित्शक्ति विलास के 'समर्पण' से उद्धृत

आप माताओं को
मैं अपनी जननी, अपनी अम्मा समझकर
हृदय से नमस्कार करता हूँ।

जिस चिदम्बा भगवती कुण्डलिनी के प्रति
मुझे इतना स्नेह है, उस चिति को आप ही में देखता रहूँ,
ऐसी भगवान नित्यानन्द से प्रार्थना करता हूँ।

बाबा मुक्तानन्द, *चित्शक्ति विलास* [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१७] पृ. xix।

©२०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।